शिखर 4

पाठ 1. पानी और धूप

I. श्रुतलेख

विद्यार्थी स्वयं करें।

II. मौखिक कौशल

(क) कविता में अभी-अभी धूप थी और फिर पानी बरसने लगा।

(ख) ज़ोर-ज़ोर से बादल गरज रहे हैं।

III. लिखित कौशल

1. (क) बिजली की तुलना बालक तलवार से कर रहा है।

(ख) बालक बिजली के घर बिजली के बच्चों को तलवार सिखाने के लिए जाने को कह रहा है।

(ग) तलवार मिलने पर बालक अपनी माँ तथा अपने ऊपर अत्याचार नहीं होने देगा।

2. (क) क्यों बंद कर लिया,
का दरवाज़ा,
ने भी क्या उसको,
कहकर आजा।

(ख) मुझे चमकती-सी तलवार
तब माँ कर न कोई सकेगा
अपने ऊपर अत्याचार।

IV. बहुविकल्पी प्रश्न

(क) (ii) (ख) (iii) (ग) (i)

V. मूल्यपरक प्रश्न

इन पंक्तियों का भाव यह है कि जब हम शक्तिशाली होंगे तो हमारे ऊपर कोई अत्याचार नहीं कर सकेगा।

VI. भाषा कौशल

1. (क) जल, नीर (ख) जननी, माता (ग) मेघ, जलद (घ) सूर्य, रवि

2. (ख) दरवाज़े (ग) बिजलियाँ (घ) तलवारें

3. (क) <u>आँगन</u> में कौन बैठा है?

(ख) तुम्हें <u>काका</u> बुला रहे हैं।

(ग) यह <u>शैतानी</u> किसने की है?

(घ) पक्षी <u>आसमान</u> में उड़ रहे हैं।

4. (क) (ii) (ख) (ii)

VII. रचनात्मक कोना

विद्यार्थी स्वयं करें।

शिखर 4

पाठ 2. जादू का ब्रश

I. श्रुतलेख

विद्यार्थी स्वयं करें।

II. मौखिक कौशल

(क) जया को चित्रकारी का बहुत शौक था।

(ख) जादू का ब्रश मिलने से जया की खुशी का ठिकाना न रहा।

(ग) वीनू जया का दोस्त था।

(घ) वीनू के पिता जी का तबादला हो गया था और कुछ दिनों में वह दूसरे शहर चला जाएगा। इस बात से वीनू और जया बहुत दुखी और उदास थे।

III. लिखित कौशल

1. (क) जया ने सपने में देखा कि उसे एक जादुई ब्रश मिल गया है और वह उससे जिस भी चित्र में रंग भरेगी वह चित्र सच हो जाएगा।

(ख) जया और वीनू रोज़ पार्क में खेलते-खाते और ढेर सारी बातें करते थे। धीरे-धीरे वे दोनों अच्छे दोस्त बन गए।

(ग) वीनू के पिता जी का दूसरे शहर में तबादला हो गया था। उसके जाने से पहले जया उसे खास उपहार देना चाहती थी।

(घ) वीनू को चलता-फिरता देखकर घरवाले हैरान रह गए।

(ङ) वीनू ने जब जया का उपहार खोलकर देखा तो वह चकित रह गया। उसे ऐसा लग रहा था जैसे वह स्वयं उस चित्र में से बाहर निकल आया है।

(च) जया मन ही मन सोच रही थी कि कितना अच्छा हो अगर वह इस ब्रश की सहायता से सभी लोगों की तकलीफ़ों को दूर करने में सफल हो पाए।

2. (क) जया ने (ख) वीनू ने (ग) जया ने

IV. बहुविकल्पी प्रश्न

(क) (iii) (ख) (i) (ग) (i)

V. मूल्यपरक प्रश्न

1. विद्यार्थी स्वयं करें।

2. इस कहानी से हमें यह सीख मिलती है कि हमें सबके साथ प्यार से और मिल-जुलकर रहना चाहिए। हमें दूसरों की सहायता करनी चाहिए।

VI. भाषा कौशल

1. (क) दुश्मन (ख) खुश (ग) असफल (घ) शाम

2. (क) ज् + आ + द् + उ + ई

(ख) श् + औ + क् + अ

(ग) ख् + इ + ड् + अ + क् + ई

(घ) स् + उ + ं + द् + अ + र् + अ

(ङ) च् + अ + क् + इ + त् + अ

3. जातिवाचक संज्ञा – पेंसिल, रात, इडली, व्हीलचेयर, दादी, फ्रॉक

व्यक्तिवाचक संज्ञा – जया, वीनू

भाववाचक संज्ञा – खुशी, हैरानी, दोस्ती, उत्साह

4. (क) सपने (ख) खुशियाँ (ग) पेंसिलें

(घ) तालियाँ (ङ) नज़रें (च) खिड़कियाँ

5. (क) (i) (ख) (ii)

VII. रचनात्मक कोना

विद्यार्थी स्वयं करें।

शिखर 4

पाठ 3. अभ्यास का महत्त्व

I. श्रुतलेख

विद्यार्थी स्वयं करें।

II. मौखिक कौशल

(क) गुरु जी ने वरदराज को सलाह दी कि विद्याधन तुम्हारे भाग्य में नहीं है। इससे अच्छा तो यही है कि तुम अपने घर जाओ और वहाँ का काम-काज देखो।

(ख) वरदराज ने कुएँ के पास पहुँचने पर देखा कि पानी खींचने की रस्सी की रगड़ से कुएँ की जगत पर निशान पड़ गए हैं और मिट्टी के घड़ों को रखने से ज़मीन पर गड्ढे पड़ गए हैं।

(ग) वरदराज को लौटकर आता देख गुरु जी ने सोचा कि शायद वरदराज का आश्रम में कुछ छूट गया हो जिसे लेने वह लौटा है।

(घ) संस्कृत के सबसे बड़े विद्वान का नाम पाणिनी है।

III. लिखित कौशल

1. (क) बालक वरदराज के पिता ने उसे पढ़ने के लिए आश्रम में भेजा था।

(ख) गुरु जी वरदराज को जो कुछ भी पढ़ाते थे, उसे वह याद ही नहीं रख पाता था। उसकी ऐसी स्थिति देखकर आश्रम में रहने वाले बच्चे वरदराज को 'मंदबुद्धि' कहकर चिढ़ाने लगे।

(ग) वरदराज को चिंता सताने लगी कि घर लौटने पर उसके पिता क्या सोचेंगे। गाँव के लोग भी उसे 'मूर्ख-महामूर्ख' कहकर दुत्कारेंगे।

(घ) कुएँ की जगत पर पड़े निशान को देखकर वरदराज ने विचार किया कि जब रस्सी की बार-बार रगड़ खाने से कठोर पत्थर पर निशान पड़ सकते हैं तो क्या लगातार परिश्रम करने से मैं विद्वान नहीं बन सकता!

(ङ) कुएँ से लौटकर वरदराज आश्रम में गया।

(च) दोबारा आश्रम में पहुँचकर वरदराज देर रात तक पढ़ता और प्रातः सबसे पहले उठ जाता। वह अपना एक क्षण भी व्यर्थ न गँवाता। उसने दिन-रात एक कर दिए।

2. (क) (✓) (ख) (✗) (ग) (✓) (घ) (✗) (ङ) (✓) (च) (✓)

IV. बहुविकल्पी प्रश्न

(क) (ii) (ख) (i) (ग) (ii)

V. मूल्यपरक प्रश्न

1. गुरु जी ने वरदराज को सत्तू देकर इस भावना का परिचय दिया है कि शिष्य चाहे होनहार हो या मूर्ख, गुरु को उनके सभी शिष्य एक समान प्रिय होते हैं तथा वे माता-पिता की

भाँति उनका ध्यान रखते हैं।

2. वरदराज के जीवन से प्रेरणा मिलती है कि हमें कभी भी हार नहीं माननी चाहिए। हमें बार-बार प्रयत्न करते रहना चाहिए। अभ्यास ही मनुष्य को सफलता दिलाता है। जब तक हम अपने लक्ष्य को प्राप्त न कर लें तब तक कठिन परिश्रम करते रहना चाहिए। हमें छोटी-छोटी घटनाओं से सीखना चाहिए।

VI. भाषा कौशल

1. (क) बच्चियाँ (ख) माता (ग) विदुषी (घ) बालिका (ङ) सहपाठिन (च) बेटी
2. (क) भाववाचक संज्ञा (ख) व्यक्तिवाचक संज्ञा (ग) जातिवाचक संज्ञा
   (घ) जातिवाचक संज्ञा (ङ) भाववाचक संज्ञा (च) व्यक्तिवाचक संज्ञा
3. (क) परिवर्तन (ख) व्यर्थ (ग) मस्तिष्क (घ) प्रयत्न
   (ङ) मंदबुद्धि (च) विद्या
4. (क) (ii) (ख) (ii) (ग) (iii)

VII. रचनात्मक कोना

1. (क) हिंदी (ख) मराठी (ग) तेलुगु (घ) असमिया (ङ) तमिल (च) कन्नड़

2-4 विद्यार्थी स्वयं करें।

शिखर 4

पाठ 4. लुई ब्रेल

I. श्रुतलेख

विद्यार्थी स्वयं करें।

II. मौखिक कौशल

(क) राघव के नए पड़ोसी के बेटे का नाम कार्तिक था।

(ख) श्रीमती मेहता ने कक्षा में लुई ब्रेल के बारे में बतलाया।

(ग) लुई की आँख में चोट लगने के कारण उसकी दोनों आँखों की रोशनी चली गई।

(घ) चार्ल्स बारबियर ने सैनिकों के लिए गुप्त भाषा तैयार की थी।

(ङ) लुई ब्रेल की लिपि का नाम 'ब्रेल लिपि' है।

III. लिखित कौशल

1. (क) राघव अपने सहपाठियों को अपने नए पड़ोसी के बेटे कार्तिक के बारे में बताना चाहता था। इसलिए उसको विद्यालय पहुँचने की जल्दी थी।

(ख) लुई ब्रेल के पिता चमड़े का सामान बनाकर बाज़ार में बेचा करते थे।

(ग) अपने पिता की वर्कशॉप में औज़ारों से खेलते समय भूलवश एक औज़ार लुई ब्रेल की आँख में लग गया। ज़ख्म गहरा हो जाने से उसकी दोनों आँखों की रोशनी चली गई।

(घ) पादरी महोदय प्रतिदिन लुई ब्रेल को लेकर किसी बड़े वृक्ष के नीचे बैठ जाते और उन्हें बाइबिल की कहानियाँ सुनाया करते थे। उन्होंने लुई को फूलों और पक्षियों की पहचान करना सिखाया, साथ ही संगीत का अध्ययन कराया। पादरी महोदय ने एक स्कूल के प्रधानाध्यापक से लुई को प्रवेश देने का अनुरोध भी किया। इस प्रकार पादरी ने लुई ब्रेल की बहुत सहायता की।

(ङ) गुप्त भाषा के द्वारा सैनिक रात के अँधेरे में संदेशों का आदान-प्रदान कर सकें इसलिए चार्ल्स बारबियर गुप्त भाषा तैयार कर रहे थे।

(च) चार्ल्स बारबियर से प्रेरणा लेकर लुई ब्रेल के अंदर नई लिपि बनाने की धुन सवार हो गई। बहुत कोशिशों के बाद लुई ब्रेल को अपने प्रयास में कामयाबी मिली।

(छ) 'ब्रेल लिपि' में अक्षरों और गणित के चिह्नों को कागज़ पर हलका उभार देकर छापा जाता है जिसे स्पर्श करके आसानी से अक्षर, शब्द, वाक्य आदि पढ़े जा सकते हैं।

2. (क) सन् 1829 (ख) सन् 1837 (ग) सन् 1821

(घ) सन् 1852 (ङ) सन् 1809

3. (क) सन् 1829 में लुई ब्रेल को अपने प्रयास में कामयाबी तब मिली जब उन्होंने इस लिपि में अपनी पहली पुस्तक प्रकाशित की।

(ख) सन् 1837 में उन्होंने संशोधित लिपि में दूसरी पुस्तक प्रकाशित की।

(ग) लुई ब्रेल की लिपि को 'ब्रेल लिपि' के नाम से जाना जाता है।

(घ) जिसे दिखाई न देता हो।

(ङ) प्रयत्न, कोशिश।

IV. बहुविकल्पी प्रश्न

(क) (iii) (ख) (i) (ग) (ii)

V. मूल्यपरक प्रश्न

1. दूसरों की सहायता करना, उनके अंदर छिपी प्रतिभा को पहचानना तथा निरंतर अभ्यास द्वारा उसे निखारना जैक्विंस पेलुई के व्यक्तित्व की खूबियाँ थीं।

2. लुई ब्रेल के व्यक्तित्व से हमें प्रेरणा मिलती है कि कठिन परिश्रम और लगन से असंभव-सा दिखने वाला काम भी संभव हो जाता है। हमें जीवन में कभी भी हार नहीं माननी चाहिए। हम अपने कार्य में सुधार करके उसे और भी बेहतर बना सकते हैं। हमें समाज सेवा और मानव कल्याण के बारे में सोचना चाहिए।

VI. भाषा कौशल

1. (क) शांति (ख) मित्रता (ग) गहराई (घ) बालपन

(ङ) अंधकार (च) कठिनाई

2. (क) उन्होंने पुस्तकें प्रकाशित कीं।

(ख) वह उँगलियों के स्पर्श से पुस्तक पढ़ लेता था।

(ग) उसकी आँखों की रोशनी चली गई।

(घ) इस लिपि से दृष्टिबाधित लोगों की कठिनाइयाँ दूर हो गईं।

3. (क) (iii) (ख) (i) (ग) (ii)

VII. रचनात्मक कोना

विद्यार्थी स्वयं करें।

शिखर 4

पाठ 5. पेड़

I. श्रुतलेख

विद्यार्थी स्वयं करें।

II. मौखिक कौशल

1. (क) इस कविता में पेड़ों के बारे में वर्णन किया गया है।

(ख) इस कविता के रचयिता द्वारिका प्रसाद माहेश्वरी हैं।

III. लिखित कौशल

1. (क) पेड़ धूप सहकर भी हमें छाया देते हैं।

(ख) पेड़ गंदी हवा को प्राणवायु के रूप में बदल देते हैं।

(ग) वर्षा पेड़ों के कारण होती है।

(घ) यदि हम पेड़ों को काटते जाएँ तो हमें साँस लेने के लिए शुद्ध हवा नहीं मिलेगी और हमारी ज़िंदगी रुक जाएगी।

2. काटते, छाँह, मदद, डालियों

IV. बहुविकल्पी प्रश्न

(क) (ii) (ख) (i) (ग) (ii)

V. मूल्यपरक प्रश्न

इस कविता के माध्यम से कवि ने संदेश दिया है कि हमें पेड़ों को काटने से बचाना चाहिए। पेड़ों से ही मानव जीवन है। हमें सभी को इस बारे में जागरूक करना चाहिए और अधिक-से-अधिक पेड़ लगाने चाहिए।

VI. भाषा कौशल

1. (क) वृक्ष, तरु, विटप (ख) वायु, पवन, समीर (ग) जंगल, कानन, विपिन

(घ) पानी, नीर, पय (ङ) घन, मेघ, जलधर

2. (क) हमें अपने मित्रों की <u>मदद</u> करनी चाहिए।

(ख) किसान दिन-रात <u>खेत</u> में मेहनत करते हैं।

(ग) पेड़-पौधों से जीव-जंतुओं की <u>ज़िंदगी</u> चलती है।

(घ) सूखा पड़ने से गाँव की <u>धरती</u> बंजर हो गई।

3. (क) (ii) (ख) (iii) (ग) (i)

VII. रचनात्मक कोना

विद्यार्थी स्वयं करें।

शिखर 4

पाठ 6. नीम बड़ा गुणकारी

I. श्रुतलेख

विद्यार्थी स्वयं करें।

II. मौखिक कौशल

1. (क) इस पाठ में नीम के पेड़ के बारे में बताया जा रहा है।

(ख) नीम की एक शाखा में बहुत छोटी-छोटी 29 या 31 पत्तियाँ होती हैं।

(ग) पकी हुई निबौरियों से तेल निकाला जाता है जो औषधि के रूप में काम आता है।

(घ) नीम के अलावा तुलसी, आँवला आदि भी औषधीय पौधे माने जाते हैं।

III. लिखित कौशल

1. (क) भारत के अलावा नीम मलाया, चीन, म्यांमार आदि देशों में पाया जाता है।

(ख) नीम के पत्ते बहुत सुंदर होते हैं। कड़वे होने के कारण इन्हें अलमारी, बक्सों तथा अनाज आदि की बोरियों में रखा जाता है ताकि कीड़े न लगें।

(ग) नीम के फूल सफ़ेद रंग के होते हैं। इसके फूलों में पाँच पंखुड़ियाँ होती हैं। इसके फूलों में सुगंध होती है और रस भी। नीम के फल छोटे और हरे होते हैं जिन्हें 'निबौरी' कहा जाता है। वे पक्षियों को बहुत स्वादिष्ट लगते हैं।

(घ) नीम एक बहुपयोगी एवं गुणकारी वृक्ष है। नीम के पत्तों को कड़वे होने के कारण अलमारी, बक्सों तथा अनाज की बोरियों में रखा जाता है ताकि कीड़े न लगें। पकी हुई निबौरियों के तेल से औषधि बनाई जाती है। नीम की टहनियाँ दातुन के रूप में इस्तेमाल की जाती हैं। तने की छाल और तने से निकलने वाली गोंद भी दवा के तौर पर काम में लाई जाती है। बीज से खली बनती है। फोड़े-फुंसियों या अन्य घावों के उपचार के लिए भी नीम रामबाण औषधि का काम करता है। नीम की पत्तियाँ उबालकर पीने से रक्त साफ़ हो जाता है।

2. (क) घनी, सीधा (ख) ठंड, गिर (ग) पाँच (घ) तोतों

3. (क) (✗) (ख) (✓) (ग) (✗) (घ) (✓) (ङ) (✗)

IV. बहुविकल्पी प्रश्न

(क) (ii) (ख) (i) (ग) (iii)

V. मूल्यपरक प्रश्न

पेड़-पौधे हमें सब कुछ देते हैं। अत: हमारा भी कर्तव्य बनता है कि हमें पेड़ों को काटने से बचाना चाहिए। पेड़ों से ही जीवन संभव है। हमें सभी को इस बारे में जागरूक करना चाहिए और अधिक से अधिक पेड़ लगाने चाहिए।

VI. भाषा कौशल

1. (क) तरु, विटप (ख) खुशबू, सुबास (ग) पत्र, पात (घ) कुसुम, सुमन
(ङ) खग, विहग

2. (क) प्यार, प्याज़ (ख) कष्ट, दुष्ट (ग) बस्ता, दस्ता (घ) परमात्मा, अध्यात्म

3. (क) आप, अपने (ख) इसे (ग) वे (घ) इसके, हमें (ङ) यह

4. (क) (ii) (ख) (i)

VII. रचनात्मक कोना

1. केले का पत्ता, कमल का पत्ता, पीपल का पत्ता

2. दक्षिण भारत में केले के पत्ते पर भोजन किया जाता है।

शिखर 4

पाठ 7. पुत्री को पत्र

I. श्रुतलेख

विद्यार्थी स्वयं करें।

II. मौखिक कौशल

(क) यह पत्र नेहरू जी ने इंदिरा जी को लिखा था।

(ख) नेहरू जी नैनी जेल में बंद थे।

(ग) इस पत्र में मिस्र देश के बारे में जानकारी दी गई है।

III. लिखित कौशल

1. (क) पुराने ज़माने के लोगों के बारे में उनके बनाए हुए बड़े-बड़े मकानों और इमारतों से पता चलता है। इसके अतिरिक्त कुछ बहुत पुरानी किताबें भी हैं जिनसे उस समय के बारे में ज्ञात होता है।

(ख) स्फिंक्स औरत के सिर वाली शेर की मूर्ति को कहते हैं। इसका डील-डौल बहुत बड़ा होता है। किसी को यह नहीं मालूम कि यह मूर्ति क्यों बनाई गई। उस औरत के चेहरे पर एक अजीबोगरीब मुसकराहट झलकती है और किसी की समझ में नहीं आता कि वह इस तरह क्यों मुसकरा रही है।

(ग) ममी किसी आदमी या जानवर के मृत शरीर को कहते हैं।

(घ) पुराने ज़माने में मिस्र में खेतों को सींचने के लिए अच्छी-अच्छी नहरें और झीलें बनाई जाती थीं। इन नहरों, झीलों और बड़ी-बड़ी मीनारों को अच्छे-अच्छे इंजीनियरों ने ही बनाया होगा। इससे पता चलता है कि पुराने ज़माने में मिस्र के लोग होशियार थे।

(ङ) मीदास को अपने लालच की सज़ा मिली थी।

2. (क) (✗) (ख) (✓) (ग) (✓) (घ) (✗) (ङ) (✓)

IV. बहुविकल्पी प्रश्न

(क) (iii) (ख) (i) (ग) (ii)

V. मूल्यपरक प्रश्न

1. मिस्रवासी बादशाहों को मरने के बाद ममी बनाकर बड़ी-बड़ी मीनारों में रख देते थे। इससे यह पता चलता है कि वे अपने बादशाहों से प्रेम करते थे। वे उनके पास खाने की वस्तुएँ रख देते थे। उनका विचार था कि शायद मरने के बाद भी उन्हें खाने की आवश्यकता रहेगी। उनके द्वारा बनाई गई नहरें, झीलें और बड़ी-बड़ी मीनारें उस समय की तकनीकी योग्यता को साबित करती हैं।

2. प्राचीनकाल की जानकारियाँ हमारे लिए बहुत महत्त्वपूर्ण होती हैं। इनसे हमें अपनी प्राचीन सभ्यता और संस्कृति के बारे में पता चलता है। विश्व के प्राचीन इतिहास के बारे में जानकारी मिलती है।

VI. भाषा कौशल

1. (क) पुरानी (ख) कीमती (ग) लालची (घ) लाभदायक (ङ) अच्छी

2. (क) बहुवचन (ख) एकवचन (ग) बहुवचन (घ) बहुवचन (ङ) एकवचन

3. (क) मिस्र (ख) मसाला (ग) मूर्ति (घ) बादशाह (ङ) होशियार (च) आवश्यकता

4. (क) स्त्रीलिंग (ख) पुल्लिग (ग) स्त्रीलिंग (घ) स्त्रीलिंग (ङ) पुल्लिग (च) स्त्रीलिंग

5. (क) (ii) (ख) (iii) (ग) (i)

VII. रचनात्मक कोना

1. इटली, रूस, चीन, इराक, स्पेन, जर्मनी, थाइलैंड, फ्रांस, जापान, भूटान।

2-4 विद्यार्थी स्वयं करें।

शिखर 4

पाठ 8. हिमालय की याद में

I. श्रुतलेख

विद्यार्थी स्वयं करें।

II. मौखिक कौशल

(क) हिमालय सदियों से दृढ़ता से खड़ा है।

(ख) विश्व की सबसे ऊँची पर्वत चोटी सागरमाथा (एवरेस्ट) है।

(ग) 23 मई, 1984 को बछेंद्री पाल ने एवरेस्ट पर पहुँचने में सफलता पाई थी।

(घ) हिमालय पर फूलों और जड़ी-बूटियों की लगभग चौदह हज़ार किस्में पाई जाती हैं।

(ङ) बछेंद्री पाल ने कहा है कि मैं कई बार हिमालय पर गई पर मुझे कभी कोई यति नहीं मिला, ये सब मनगढ़ंत बातें हैं।

III. लिखित कौशल

1. (क) बछेंद्री पाल ने एवरेस्ट पर पहुँचकर घुटने टेके और सिर झुकाकर माँ दुर्गा को नमन किया। फिर 'हनुमान चालीसा' हिमालय की चोटी पर रखा। उसके बाद वहीं से कुछ तस्वीरें खींची।

(ख) बछेंद्री पाल सबसे पहले बारह वर्ष की उम्र में अपने स्कूल की ओर से पिकनिक मनाने के लिए हिमालय पर चढ़ी थीं।

(ग) ऐसा कहकर बछेंद्री पाल ने संदेश दिया है कि हम कितनी भी ऊँचाई पर पहुँच जाएँ, नीचे देखने के लिए झुकना ही पड़ता है अर्थात् झुककर रहने वाले ही सफल माने जाते हैं।

(घ) तपस्या में लीन ऋषियों को देखकर आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलती है।

(ङ) जिन्हें बर्फ़ से खेलना है, वे यहाँ सर्दियों में जाएँ और जो रंग-बिरंगे फूलों की सुंदरता का खज़ाना देखना चाहते हैं, वे जून, जुलाई या अगस्त के महीनों में जाएँ।

(च) हिमालय पर जाकर सीखते रहने का कोई अंत नहीं है इसलिए बछेंद्री पाल ने हिमालय को एक पाठशाला कहा है।

(छ) हिमालय पर चढ़ाई के समय लगभग तीन-चार हज़ार मीटर की ऊँचाई से और ऊपर जाने पर ऑक्सीजन की कमी महसूस होने लगती है।

(ज) हिमालय पर हवा में नमी कम होती है। जब साँस ले रहे होते हैं तो आप सूखी हवा खींचते हैं और साँस छोड़ते हैं तो भाप-सी निकलती है। नमी निकलने से शरीर में पानी की कमी हो जाती है। चढ़ाई के दौरान बर्फ़ देखकर ज़्यादा कपड़े पहनने से भी पसीना खूब आता है। पसीने के रूप में पानी निकल जाना भी अच्छा नहीं रहता इसीलिए हिमालय पर चढ़ने वालों को पानी बहुत पीना चाहिए।

2. (क) सही (ख) गलत (ग) सही (घ) गलत (ङ) गलत

IV. बहुविकल्पी प्रश्न

(क) (i) (ख) (iii) (ग) (iii)

V. मूल्यपरक प्रश्न

1. हिमालय पर चढ़ने के लिए मनुष्य में साहस, धैर्य, सकारात्मक सोच, दृढ़ इच्छाशक्ति, कठिन परिस्थितियों का सामना करने की हिम्मत तथा शारीरिक मज़बूती आदि गुण होने चाहिए।

2. हिमालय में कुछ ऐसा आकर्षण है जो हर किसी को अपने पास बुलाता है और अपनी ओर खींचता है। वह हमें कठिन परिस्थितियों का दृढ़ता के साथ सामना करने के लिए प्रेरित करता है। हमें कम सुविधाओं में भी जीवन जीना आना चाहिए। हिमालय हमें आगे बढ़ने और हमेशा कुछ-न-कुछ सीखते रहने के लिए भी प्रेरित करता है।

VI. भाषा कौशल

1. (क) उथलापन (ख) असफलता (ग) उतरना (घ) पीछे
(ङ) आसान (च) गीली

2. (क) सुंदर + ता (ख) गहरा + आई (ग) रोमांच + इत (घ) गुलाब + ई
(ङ) अचंभा + इत

3. (क) दृढ़ निश्चय वाले को <u>मुश्किल</u> नहीं होती।
(ख) रमेश को व्यापार में बहुत <u>नुकसान</u> उठाना पड़ा।
(ग) मेट्रो रेल के कारण यात्रियों को बहुत <u>सुविधा</u> हो गई है।

4. (क) (i) (ख) (ii) (ग) (iii)

VII. रचनात्मक कोना

विद्यार्थी स्वयं करें।

जाँच पत्र-1

(पाठ 1-8 पर आधारित)

कुल अंक 50

1. इन प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

(क) बिजली की तुलना बालक तलवार से कर रहा है।

(ख) वीनू ने जब जया का उपहार खोलकर देखा तो चकित रह गया क्योंकि उसे लग रहा था जैसे वह स्वयं उस चित्र में से बाहर निकल आया हो।

(ग) गुरु जी वरदराज को जो कुछ भी पढ़ाते थे, उसे वह याद ही नहीं रख पाता था। उसकी ऐसी स्थिति देखकर आश्रम में रहने वाले बच्चे वरदराज को 'मंदबुद्धि' कहकर चिढ़ाने लगे।

(घ) अपने पिता की वर्कशॉप में औज़ारों से खेलते समय भूलवश एक औज़ार लुई ब्रेल की आँख में लग गया। ज़ख्म गहरा हो जाने से उसकी दोनों आँखों की रोशनी चली गई।

(ङ) पुराने ज़माने में मिस्र में खेतों को सींचने के लिए अच्छी-अच्छी नहरें और झीलें बनाई जाती थीं। इन नहरों, झीलों और बड़ी-बड़ी मीनारों को अच्छे-अच्छे इंजीनियरों ने ही बनाया होगा। इससे पता चलता है कि पुराने ज़माने में मिस्र के लोग होशियार थे।

(च) हिमालय में कुछ ऐसा आकर्षण है जो हर किसी को अपने पास बुलाता है और अपनी ओर खींचता है। वह हमें कठिन परिस्थितियों का दृढ़ता के साथ सामना करने के लिए प्रेरित करता है। हमें कम सुविधाओं में भी जीवन जीना आना चाहिए। हिमालय हमें आगे बढ़ने और हमेशा कुछ-न-कुछ सीखते रहने के लिए भी प्रेरित करता है।

2. निम्नलिखित पंक्तियों के अर्थ लिखिए।

(क) बालक कहता है कि जब मैं बिजली के बच्चों को तलवार चलाना सिखाऊँगा तब बिजली खुश होकर मुझे चमकती हुई तलवार देगी। बालक माँ को कहता है कि फिर हमारे ऊपर कोई अत्याचार नहीं कर सकेगा।

(ख) वृक्ष हमारे लिए वर्षा लाते हैं। वर्षा का जल हमारे खेतों को सींचता है। खेतों में हरियाली छाने लगती है। उपवन, वन सभी जगह हरे-भरे पौधे दिखाई देते हैं।

3. पाठ के आधार पर लिखिए कि ये वाक्य सही हैं या गलत।

(क) गलत (ख) सही (ग) गलत (घ) सही (ङ) सही

4. इन वाक्यों में से निर्देशानुसार शब्दों को चुनकर लिखिए।

(क) पेंसिलें (ख) बेटा (ग) उसकी (घ) भाववाचक संज्ञा (ङ) लालची

5. उचित विकल्प चुनिए।

(क) (iii) (ख) (ii) (ग) (ii) (घ) (i) (ङ) (iii)

6. नीचे दिए शब्दों का वाक्यों में प्रयोग कीजिए।

(क) आँगन में बच्चे खेल रहे हैं।

(ख) सैनिक की ज़िंदगी बहुत कठिनाई से भरी होती है।

(ग) दिल्ली में मेट्रो चलने से लोगों को काफी सुविधा हो गई है।

(घ) पेड़ों का हमारे जीवन में बहुत महत्त्व है।

(ङ) सोने के गहने बनते हैं।

(च) हिमालय पर्वत न होकर मानो जादुई संसार है।

शिखर 4

पाठ 9. खुशी लुटाते हैं त्योहार

I. श्रुतलेख

विद्यार्थी स्वयं करें।

II. मौखिक कौशल

(क) इस कविता में त्योहारों के बारे में वर्णन किया गया है।

(ख) इस कविता के कवि दिविक रमेश हैं।

III. लिखित कौशल

1. (क) मनाते हैं त्योहार
जब लद जाते फूल-फलों से
पेड़ मनाते

(ख) सड़क मनाती तब त्योहार
शहर मनाता है त्योहार।

2. (क) जब नदियाँ पानी से भर जाती हैं तब उनका त्योहार होता है।

(ख) जिस दिन पेड़ नहीं कटते उस दिन जंगल त्योहार मनाता है और अगर मन अडिग रहे तो पर्वत त्योहार मनाता है।

IV. बहुविकल्पी प्रश्न

(क) (ii) (ख) (iii) (ग) (i)

V. मूल्यपरक प्रश्न

1. एक-दूसरे से खुशी बाँटने के लिए त्योहार मनाए जाते हैं।

2. हमें त्योहार एक-दूसरे को उपहार देकर एवं हँसी-खुशी मनाने चाहिए।

VI. भाषा कौशल

1. (क) ठंडी, जंगल, पंछी (ख) माँ, हँसते, खुशियाँ

2. (क) जब-तब (ख) फूल-फलों (ग) मार-काट (घ) खिल-खिल

3. (क) मामा जी ने मेरे लिए उपहार में घड़ी भेजी।

(ख) बगीचे में फूलों की खुशबू फैली है।

(ग) हिमालय पर्वत से अनेक नदियाँ निकलती हैं।

4. (क) (ii) (ख) (iii)

VII. रचनात्मक कोना

1. विद्यार्थी स्वयं करें।

2. ओणम, होली, क्रिसमस, ईद

3-4 विद्यार्थी स्वयं करें।

शिखर 4

पाठ 10. घमंड का फल

I. श्रुतलेख

विद्यार्थी स्वयं करें।

II. मौखिक कौशल

(क) जंगल में पेड़ों के बीच बहस छिड़ गई थी।

(ख) सबसे अधिक गुस्से में बाँस का पेड़ था।

(ग) बड़े-बड़े पेड़ दूब की बात सुनकर हँसने लगे थे।

(घ) तूफ़ान आने के बाद भी दूब जंगल में बची रही।

III. लिखित कौशल

1. (क) पेड़ों में यह बहस छिड़ गई थी कि उन सबमें ज़्यादा शक्तिशाली कौन है।

(ख) बरगद के पेड़ ने कहा कि मेरी तो एक-एक शाखा ही मज़बूत पेड़ के समान है।

(ग) पीपल के पेड़ के अनुसार, वह सब पेड़ों में पवित्र माना जाता है इसलिए तो लोग उसे ईश्वर मानकर पूजते हैं।

(घ) सागौन के पेड़ ने अपने बारे में कहा कि अपने मुँह मियाँ मिट्ठू भला मैं क्यों बनूँ, मेरी मज़बूती तो जग-जाहिर है। जितनी भी मज़बूत वस्तुएँ बनाई जाती हैं उन सबमें मेरी लकड़ी ही उपयोग में आती है। ताकत में तो मैं ही सबसे ज़्यादा ताकतवर हूँ और भरोसेमंद भी।

(ङ) देवदार के पेड़ ने कहा कि तुम सबकी बातें सुनकर बड़ा मज़ा आ रहा है। लेकिन, क्या मेरी ताकत के बारे में तुम्हें नहीं पता? मैं तो पहाड़ों पर ही उगता हूँ। सोचो, मैं इतनी ऊँचाई पर रहता हूँ। मेरे जितनी ठंड तुम सहन भी नहीं कर पाओगे। भला मुझसे बड़ा कौन हो सकता है!

(च) बाँस ने कहा कि मेरे यहाँ रहते कोई दूसरा शक्तिशाली कैसे हो सकता है! क्या जंगल के पेड़ों को पता नहीं कि मेरे बल पर ही ताकत का फ़ैसला होता है? जानते हो, मैं जिसके पास होता हूँ, वह अपने आप ही ताकतवर कहलाने लगता है। तभी तो लोग कहते हैं–'जिसकी लाठी उसकी भैंस।'

(छ) दूब ने पेड़ों को समझाना चाहा कि तुम सब इतने बड़े होकर भी आपस में लड़ते-झगड़ते क्यों हो? ताकत का घमंड कभी अच्छा नहीं होता। जो ताकत का घमंड करता है, वही सबसे अधिक कमज़ोर होता है।

(ज) जंगल में तूफ़ान आने पर सभी पेड़ अपने घमंड में अकड़कर खड़े रहे। जो पेड़ जितना अकड़कर खड़ा था, उसे तूफ़ान ने उतनी ही जल्दी उखाड़ दिया।

(झ) जब सब कुछ शांत हो गया तो दूब ने देखा कि जंगल के सभी पेड़ अपनी जड़ों से उखड़े पड़े दर्द से कराह रहे हैं। वह अकेली थी जो उन पेड़ों के बीच अपना सिर उठाए हवा के झोंकों के संग खेल रही थी।

2. (क) बरगद ने (ख) पीपल ने (ग) सागौन ने (घ) देवदार ने (ङ) बाँस ने

IV. बहुविकल्पी प्रश्न

(क) (iii) (ख) (i) (ग) (iii)

V. मूल्यपरक प्रश्न

1. इस पाठ से शिक्षा मिलती है कि हमें घमंड नहीं करना चाहिए। अपनी बड़ाई स्वयं करने से इंसान बड़ा नहीं बन जाता। हमारे गुण ही हमें बड़ा बनाते हैं।

2. हम दूब से सहनशीलता, सादगी तथा विनम्रता जैसे गुण सीख सकते हैं।

VI. भाषा कौशल

1. (क) पुल्लिग (ख) स्त्रीलिंग (ग) स्त्रीलिंग (घ) पुल्लिग
(ङ) पुल्लिग (च) पुल्लिग

2. (क) उखड़ना (ख) बनना (ग) कहना (घ) उगना (ङ) करना

3. (क) (i) (ख) (iii) (ग) (i)

VII. रचनात्मक कोना

1. सेमल, कटहल, महुआ, बबूल, अखरोट, अमरूद, नारियल, जामुन, लीची।

2-3 विद्यार्थी स्वयं करें।

शिखर 4

पाठ 11. भारत-दर्शन

I. श्रुतलेख

विद्यार्थी स्वयं करें।

II. मौखिक कौशल

(क) भारत के राज्यों को जानने के लिए हमें एक बार भारत-दर्शन करना होगा।

(ख) भारत का सबसे विशाल बरगद का पेड़ कोलकाता वनस्पति उद्यान में स्थित है।

(ग) राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के समाधि स्थल का नाम राजघाट है।

(घ) शिमला के लक्कड़ बाज़ार में लकड़ी से बना विभिन्न प्रकार का उपयोगी एवं सजावटी सामान मिलता है।

(ङ) गोवा में लगभग 40 समुद्र तट हैं।

III. लिखित कौशल

1. (क) कोलकाता को 'पूर्वी भारत का प्रवेश द्वार' कहते हैं।

(ख) कोलकाता में दुर्गापूजा का त्योहार धूमधाम से मनाया जाता है।

(ग) लालकिला, कुतुबमीनार, हुमायूँ का मकबरा, इंडिया गेट, अक्षरधाम मंदिर आदि दिल्ली के दर्शनीय स्थल हैं।

(घ) शिमला हिमालय की वादियों में बसा एक खूबसूरत शहर है। इसलिए शिमला को 'पहाड़ों की रानी' कहा जाता है।

(ङ) शिमला ठंडी जलवायु, प्राकृतिक दृश्यों तथा चीड़ और देवदार के जंगलों के लिए प्रसिद्ध है।

(च) कलंगुट बीच, बागा बीच, मीरामार बीच, दोनापाउला बीच, कोलवा बीच, अंजुना बीच, पालोलेम बीच आदि गोवा के प्रमुख समुद्र तट हैं।

2. (क) सही (ख) गलत (ग) सही (घ) सही (ङ) गलत (च) सही

IV. बहुविकल्पी प्रश्न

(क) (i) (ख) (iii) (ग) (iii)

V. मूल्यपरक प्रश्न

लोगों का राजघाट के दर्शन करने जाना इस बात को स्पष्ट करता है कि लोग राष्ट्रपिता महात्मा गांधी का बहुत सम्मान करते हैं। उनके द्वारा बताए गए रास्ते पर चलना चाहते हैं तथा अहिंसा में विश्वास रखते हैं। राजघाट जाकर मन को शांति मिलती है।

VI. भाषा कौशल

1. (क) अनोखा (ख) विदेशी (ग) प्राचीन (घ) कुछ (ङ) पारंपरिक

2. (ख) तटीय (ग) प्राकृतिक (घ) दर्शनीय (ङ) आयोजित (च) धार्मिक

3. (क) (i) (ख) (iii) (ग) (i)

VII. रचनात्मक कोना

1. प्रवेश → लालकिला → इंडिया गेट → जंतर मंतर → लोट्स टेंपल → शंकर गुड़िया संग्रहालय → राजघाट → तीनमूर्ति भवन → कुतुबमीनार → हुमायूँ का मकबरा → पुराना किला → निकास

2-3 विद्यार्थी स्वयं करें।

शिखर 4

पाठ 12. अनारको की दुनिया के सात अजूबे

I. श्रुतलेख

विद्यार्थी स्वयं करें।

II. मौखिक कौशल

(क) सामान्य ज्ञान की परीक्षा चल रही थी।

(ख) 'दुनिया के सात मानवनिर्मित अजूबों' के बारे में लिखिए।

(ग) अनारको ने अपनी दुनिया के अजूबों के बारे में लिखा।

(घ) माचिस की तीलियों को।

(ङ) प्रेशर कुकर।

III. लिखित कौशल

1. (क) प्रश्न पढ़कर अनारको सोचने लगी कि प्रश्न में कौन-सी दुनिया की बात कही गई है, यह तो स्पष्ट नहीं है। प्रश्न में यह भी नहीं लिखा गया कि किताबों में लिखी और रटी बात ही लिखनी है।

(ख) अनारको ने अपनी दुनिया के सात अजूबों पगड़ी, माचिस, घड़ा, साइकिल, किताब, प्रेशर कुकर तथा पेंसिल के बारे में लिखा।

(ग) अनारको की दृष्टि में घड़ा अजूबा है क्योंकि इसमें हजारों-लाखों-करोड़ों छोटे-छोटे छेद होते हैं जिनमें से पानी रिसता है और बाहर की गर्मी-हवा से भाप बनकर हवा में मिल जाता है तथा गर्मी में पानी ठंडा कर देता है।

(घ) अनारको ने किताब और पेंसिल को अजूबा माना है। बित्ते भर की किताब में दुनिया की तमाम जानकारी होती है। अनारको के अनुसार पेंसिल भी बड़ी करामाती चीज़ है। एक पेंसिल से लगभग 35 किलोमीटर लंबी रेखा खींची जा सकती है।

2. (ङ) (ख) (क) (घ) (ग) (च)

3. (क) अमरीकी वैज्ञानिकों ने अंतरिक्ष यात्रियों के लिए पेन बनाने में करोड़ों डॉलर खर्च कर दिए।

(ख) अंतरिक्ष में गुरुत्वाकर्षण बल न होने के कारण अंतरिक्ष यात्रियों के पेन की स्याही नीचे नहीं आती थी।

(ग) रूस के वैज्ञानिकों ने अपने देश के अंतरिक्ष यात्रियों के हाथ में पेंसिल पकड़ा दी जिसमें न स्याही का झंझट और न गुरुत्वाकर्षण बल की चिंता।

(घ) 'खास' शब्द का विलोम शब्द है 'आम'।

(ङ) एक पेंसिल से लगभग 35 किलोमीटर लंबी रेखा खींची जा सकती है।

IV. बहुविकल्पी प्रश्न

(क) (i) (ख) (ii) (ग) (iii)

V. मूल्यपरक प्रश्न

1. विद्यार्थी स्वयं करें।

2. प्रत्येक छोटी से छोटी वस्तु का महत्त्व होता है क्योंकि जो काम छोटी वस्तु कर सकती है वह बड़ी वस्तु नहीं कर सकती। जिस प्रकार सुई सिलने का काम करती है वह काम तलवार नहीं कर सकती। अत: यह सत्य है कि प्रत्येक छोटी वस्तु का भी अपना महत्त्व होता है।

VI. भाषा कौशल

1. (क) रक्षा, रोशनी (ख) प्रकार, प्रकाश (ग) कर्ज़, कर्म (घ) ड्रम, ट्रक

2. (क) असामान्य (ख) अज्ञान (ग) उत्तर (घ) गाँव

3. (क) दोपहर (ख) खूब (ग) हलकी-हलकी (घ) चुपचाप

4. (क) (ii) (ख) (iii) (ग) (ii)

VII. रचनात्मक कोना

1. विश्व के सात अजूबों में भारत की ऐतिहासिक इमारत ताजमहल शामिल है।

2-3 विद्यार्थी स्वयं करें।

शिखर 4

पाठ 13. नीति के दोहे

I. श्रुतलेख

विद्यार्थी स्वयं करें।

II. मौखिक कौशल

(क) अच्छे व्यक्ति पर कुसंगति का प्रभाव नहीं पड़ता है।

(ख) कटु वचन कहने पर लोग हमारे दुश्मन बन जाते हैं।

III. लिखित कौशल

1. (क) इस कविता में रहीम, कबीर, वृंद, तिरुवल्लुवर तथा बिहारी के दोहे लिए गए हैं।

(ख) वृक्ष कभी भी अपना फल नहीं खाता है और न ही नदी अपना जल इकट्ठा करती है। परोपकार के लिए ही साधु जन्म लेते हैं। अर्थात् हमें दूसरों की मदद करनी चाहिए सिर्फ़ अपने बारे में ही सोचना स्वार्थी लोगों का काम है।

(ग) आग से लगा घाव भर सकता है परंतु कटु वचन सुनने पर दूसरों को जो पीड़ा होती है, वह कभी नहीं मिटाई जा सकती इसलिए हमें कटु वचन नहीं बोलने चाहिए।

2. (क) उत्तम, कुसंग, विष, लिपटत

(ख) जतन, प्रकृतिहि, बल, नीचु

IV. बहुविकल्पी प्रश्न

(क) (i) (ख) (iii)

V. मूल्यपरक प्रश्न

पाठ में दिए गए दोहों में सज्जनता, परोपकार, दूरदर्शिता, मीठी वाणी बोलना जैसे गुणों की चर्चा की गई है।

VI. भाषा कौशल

1. (क) यत्न (ख) शरीर (ग) कोई (घ) वृक्ष

2. (क) अग्नि, पावक (ख) विषधर, साँप (ग) तरु, पेड़ (घ) ज़हर, हलाहल

3. (क) (i) (ख) (ii) (ग) (iii)

VII. रचनात्मक कोना

विद्यार्थी स्वयं करें।

शिखर 4

पाठ 14. क्षमादान

I. श्रुतलेख

विद्यार्थी स्वयं करें।

II. मौखिक कौशल

(क) शिवाजी शयनकक्ष में सो रहे थे।

(ख) मृत्युदंड पाने के पहले मालवजी अपनी माता जी से मिलना चाहता था।

(ग) मालवजी की अपनी माता से मिलने की हिम्मत नहीं हुई। मालवजी को भय था कि सारी बातें जानकर उसकी माता जी उसे वापस न आने देंगी।

(घ) शिवाजी अपनी मातृभूमि के दुख से दुखी थे।

III. लिखित कौशल

1. (क) शिवाजी की हत्या करने के लिए मालवजी आया था।

(ख) शिवाजी के दुश्मन ने मालवजी से कहा था कि यदि वह शिवाजी की हत्या कर दे तो वह उसे पुरस्कार देगा।

(ग) मृत्युदंड पाने के पहले मालवजी अपनी माता जी से मिलना चाहता था परंतु शिवाजी ने उससे कहा कि यदि तुम वापस न लौटे तब? यह सुनकर मालवजी ने कहा कि मैं वीरपुत्र हूँ महाराज! झूठ बोलकर मृत्यु से बचना नहीं चाहता।

(घ) शिवाजी के मन में मालवजी के प्रति प्रेम पैदा हो गया था। मालवजी के चले जाने के बाद भी शिवाजी उसे याद कर रहे थे इसलिए तानाजी ने मालवजी के बारे में ऐसा कहा।

(ङ) मालवजी ने उत्तर दिया कि महाराज! आपसे विदा होकर मैं घर पहुँचा। मैंने सोचा कि माता जी से सारा भेद कह दूँ, परंतु मेरी हिम्मत न पड़ी। कायरता से नहीं बल्कि इस भय से कि सारी बातें जानकर वह मुझे आप तक आने न देंगी। अब मैं आपकी सेवा में उपस्थित हूँ।

(च) शिवाजी से क्षमादान मिलने पर मालवजी प्रतिज्ञा करता है कि वह मातृभूमि की सेवा से कभी पीछे नहीं हटेगा।

2. (क) शिवाजी ने (ख) तानाजी ने (ग) मालवजी ने (घ) शिवाजी ने

IV. बहुविकल्पी प्रश्न

(क) (ii) (ख) (iii) (ग) (ii)

V. मूल्यपरक प्रश्न

शिवाजी के चरित्र में वीरों को पहचानने तथा देश-प्रेम की भावना कूट-कूटकर भरी थी।

मालवजी एक निडर तथा सच्चा बालक था।

तानाजी वीर तथा स्वामिभक्त थे।

VI. भाषा कौशल

1. (क) बालक (ख) सज़ा (ग) जिम्मेदारी (घ) डंडा (ङ) केश (च) वज़न

2. (क) मेरे घर में दो प्राणी हैं।

(ख) मैं आपकी हत्या करना चाहता था।

(ग) तुम अपनी माता से मिलकर अवश्य लौटना।

(घ) मेरे पिता आपकी सेना में सिपाही थे।

3. (क) सुरेश के पिता सेना में सिपाही थे।

(ख) कैदी ने झूठ बोलकर मृत्यु से बचने की योजना बनाई।

(ग) एक बालक आपसे मिलने की प्रतीक्षा कर रहा है।

(घ) राजा ने मालवजी को जीवनदान दिया।

(ङ) वह आपसे विदा लेकर अपने घर गया।

4. (क) (iii) (ख) (i) (ग) (ii)

VII. रचनात्मक कोना

विद्यार्थी स्वयं करें।

शिखर 4

पाठ 15. डर पर हुई जीत

I. श्रुतलेख

विद्यार्थी स्वयं करें।

II. मौखिक कौशल

(क) शाषा और माको फ्रांस में घने जंगलों के किनारे एक गाँव में रहते थे।

(ख) जब शाषा ने कहा कि अँधेरा हो रहा है। चलो, घर चलते हैं तो माको शाषा को डरपोक-डरपोक कहकर हँसने लगा।

(ग) शाषा माको के न मिलने के कारण दुखी थी।

(घ) बगीचा भूत का था।

III. लिखित कौशल

1. (क) माको लुका-छिपी का खेल खेलने की जिद कर रहा था। वह शाषा से कहता है कि मैं छिप जाता हूँ और तुम मुझे ढूँढ़ो।

(ख) शाषा की माँ कहती थी कि यहाँ जादूगर और भूत आते हैं।

(ग) माको को ढूँढ़ते-ढूँढ़ते शाषा पुराने महल के पीछे एक बगीचे में पहुँच गई।

(घ) एक डरावनी शक्ल वाले को देखकर शाषा चिल्लाकर भागने लगी।

(ङ) भूत ने माको को फूल बना दिया था। शाषा ने देखा कि सब फूलों पर ओस गिरी हुई थी। पीले फूल पर ओस के कण नहीं थे। इसका मतलब था कि यह फूल अभी-अभी खिला है। शाषा समझ गई कि यही उसका भाई है। इस प्रकार शाषा ने माको को ढूँढ़ निकाला।

2. (क) शाषा ने (ख) माको ने (ग) भूत ने (घ) शाषा ने (ङ) शाषा ने

IV. बहुविकल्पी प्रश्न

(क) (i) (ख) (ii)

V. मूल्यपरक प्रश्न

1. इस पाठ में यही संदेश छिपा है कि हमें मुश्किल परिस्थिति में घबराना नहीं चाहिए बल्कि निडर होकर साहस के साथ उसका सामना करना चाहिए।

2. डर को साहस के साथ जीता जा सकता है। यदि मनुष्य साहस और हिम्मत जुटा ले तो वह आसानी से डर पर काबू पा सकता है।

VI. भाषा कौशल

1. (क) अंधकार, तिमिर (ख) वन, कानन (ग) नयन, चक्षु (घ) सुमन, पुष्प

(ङ) उपवन, वाटिका

2. (क) ज् + आ + द् + ऊ + ग् + अ + र् + अ

(ख) प् + अं + क् + त् + इ

(ग) ब् + उ + द् + ध् + इ + म् + आ + न् + अ

(घ) इ + ज् + आ + ज् + अ + त् + अ

3. (ख) डरकर (ग) चिल्लाकर (घ) खेलकर (ङ) पकड़कर (च) मुसकराकर

4. (क) (iii) (ख) (ii)

VII. रचनात्मक कोना

विद्यार्थी स्वयं करें।

शिखर 4

पाठ 16. अपना-अपना काम

I. श्रुतलेख

विद्यार्थी स्वयं करें।

II. मौखिक कौशल

(क) अभयपुरी ब्रह्मपुत्र नदी के किनारे बसा था।

(ख) टापू पर झोंपड़ी के पास से आवाज़ें आ रही थीं।

(ग) नाविक को चार बार झोंपड़ी के पास जाना पड़ा था।

(घ) मंत्री जी सिर्फ़ एक बार झोंपड़ी के पास गए थे।

III. लिखित कौशल

1. (क) एक दिन राजा के मन में नौका विहार करने का विचार आया।

(ख) राजा तथा मंत्री आँखें मूँदकर शीतल हवा का मज़ा ले रहे थे। उन्हें देखकर नाविकों ने सोचा कि राजा और मंत्री सो रहे हैं।

(ग) नाविक आपस में बातें कर रहे थे कि देखो, ईश्वर का कैसा न्याय है! हमारी तरह ये मंत्री जी भी तो राजा के सेवक ही हैं लेकिन हम दोनों धूप में पसीना बहा रहे हैं और ये आराम से लेटे हुए हैं लेकिन हमारे राजा को हमारी परवाह कहाँ?

(घ) राजा ने नाविक से झोंपड़ी के पास से आ रही आवाज़ों के बारे में पता लगाने के लिए कहा।

(ङ) राजा ने नाविकों से कहा कि मेरे प्रश्नों का उत्तर देने के लिए तुम चार बार झोंपड़ी तक गए। तुम्हें कितना परिश्रम करना पड़ा? और देखो, मंत्री जी ने एक ही बार जाकर सारी जानकारी प्राप्त कर ली। अब समझे कि मनुष्य होते हुए भी सब के सब एक समान नहीं होते – कोई शारीरिक परिश्रम कर सकता है और कोई मानसिक। सबकी बुद्धि एक समान नहीं होती इसलिए कोई मंत्री बनता है और कोई नाविक। हर किसी के कार्य का अपना-अपना महत्त्व है। जिस तरह तुम मंत्री का कार्य नहीं कर सकते, उसी तरह मंत्री जी भी तुम्हारी तरह परिश्रम नहीं कर सकते। इसमें न्याय-अन्याय की कोई बात नहीं है।

2. (क) सही (ख) गलत (ग) गलत (घ) गलत (ङ) सही (च) सही

IV. बहुविकल्पी प्रश्न

(क) (i) (ख) (iii) (ग) (ii)

V. मूल्यपरक प्रश्न

1. (ग) ✓ (घ) ✓ (ङ) ✓

2. राजा ने नाविकों की बातें सुनकर भी उन्हें डाँटने-फटकारने के बजाए समझाने का एक अच्छा तरीका अपनाया। राजा के इस गुण से हम प्रभावित हुए।

VI. भाषा कौशल

1. (क) नाविक (ख) मछुआरा (ग) टापू (घ) पालतू

2. (क) भैया ने आवाज़ देकर बस को रोकना चाहा पर ड्राइवर ने सुना ही नहीं।

(ख) परिश्रम करना ही सफलता की पहली सीढ़ी है।

(ग) तेनालीराम अपनी बुद्धि के बल पर बड़े-बड़ों को पराजित कर देते थे।

(घ) संसार के छोटे-बड़े सभी प्राणियों का समान महत्त्व है।

3. (क) नाविक (ख) शीतलता (ग) परिश्रमी (घ) शारीरिक

4. (क) (i) (ख) (iii) (ग) (iii)

VII. रचनात्मक कोना

विद्यार्थी स्वयं करें।

जाँच पत्र-2

(पाठ 9-16 पर आधारित)

कुल अंक 50

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

(क) पानी से लबालब भर जाने पर नदियों का त्योहार होता है।

(ख) पेड़ों में यह बहस छिड़ गई थी कि उन सबमें ज़्यादा शक्तिशाली कौन है।

(ग) आग से लगा घाव भर सकता है परंतु कटु वचन सुनने पर दूसरों को जो पीड़ा होती है, वह कभी नहीं मिटाई जा सकती इसलिए हमें कटु वचन नहीं बोलने चाहिए।

(घ) मालवजी की अपनी माता से मिलने की हिम्मत नहीं हुई। मालवजी को भय था कि सारी बातें जानकर उसकी माता जी उसे वापस न आने देंगी।

(ङ) राजा ने नाविकों से कहा कि मेरे प्रश्नों का उत्तर देने के लिए तुम चार बार झोंपड़ी तक गए। तुम्हें कितना परिश्रम करना पड़ा? और देखो, मंत्री जी ने एक ही बार जाकर सारी जानकारी प्राप्त कर ली। अब समझे कि मनुष्य होते हुए भी सब के सब एक समान नहीं होते – कोई शारीरिक परिश्रम कर सकता है और कोई मानसिक। सबकी बुद्धि एक समान नहीं होती इसलिए कोई मंत्री बनता है और कोई नाविक। हर किसी के कार्य का अपना-अपना महत्त्व है। जिस तरह तुम मंत्री का कार्य नहीं कर सकते, उसी तरह मंत्री जी भी तुम्हारी तरह परिश्रम नहीं कर सकते। इसमें न्याय-अन्याय की कोई बात नहीं है।

(च) लोगों का राजघाट के दर्शन करने जाना इस बात को स्पष्ट करता है कि लोग राष्ट्रपिता महात्मा गांधी का बहुत सम्मान करते हैं। उनके द्वारा बताए गए रास्ते पर चलना चाहते हैं तथा अहिंसा में विश्वास रखते हैं। राजघाट जाकर मन को शांति मिलती है।

2. लिखिए, ये वाक्य किसने, किससे कहे?

(क) राजा ने नाविक से (ख) शिवाजी ने मालवजी से (ग) भूत ने शाषा से

(घ) तानाजी ने शिवाजी से

3. सही शब्द चुनकर रिक्त स्थान भरिए।

(क) प्राचीन (ख) वीरता (ग) बेजोड़ (घ) बीज (ङ) ईर्ष्या

4. इन वाक्यों में से निर्देशानुसार शब्दों को चुनकर लिखिए।

(क) बनाई जाती हैं (ख) मंद-मंद (ग) भारत (घ) खूब (ङ) स्त्रीलिंग

5. उचित विकल्प चुनिए।

(क) (ii) (ख) (i) (ग) (iii) (घ) (iii) (ङ) (iii)

6. निम्नलिखित शब्दों से वाक्य बनाइए।

(क) मुझे शीतल जल पीना है।

(ख) यह बहुत मज़बूत दीवार है।

(ग) सदैव उज्ज्वल कपड़े पहनो।

(घ) रात को यह सड़क सुनसान हो जाती है।

(ङ) अवसर दोबारा दस्तक नहीं देता।

(च) शेर जंगल का राजा है।

पीरियोडिक टेस्ट-1

(पाठ 1 से 4 तक)

समयावधि : ..... **पूर्णांक : 20**

नोट: वर्तनी तथा लेखनी पर विशेष ध्यान दीजिए–

1. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

(क) सन् 1829 में लुई ब्रेल को अपने प्रयास में कामयाबी तब मिली जब उन्होंने इस लिपि में अपनी पहली पुस्तक प्रकाशित की।

(ख) सन् 1837 में उन्होंने संशोधित लिपि में दूसरी पुस्तक प्रकाशित की।

(ग) लुई ब्रेल की लिपि को 'ब्रेल लिपि' के नाम से जाना जाता है।

(घ) जिसे दिखाई न देता हो।

(ङ) प्रयत्न, कोशिश

2. निर्देशानुसार कीजिए।

(क) (iii)

(ख) (i) बच्चे (ii) रोटियाँ

(ग) (i) भाववाचक संज्ञा (ii) व्यक्तिवाचक संज्ञा

(घ) (i) शांति (ii) मित्रता

(ङ) (i)

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

(क) बिजली की तुलना बालक ने तलवार से की है।

(ख) वीनू को चलता-फिरता देखकर वीनू के घरवाले हैरान रह गए।

(ग) गुरु जी वरदराज को जो कुछ भी पढ़ाते थे, उसे वह याद ही नहीं रख पाता था। उसकी ऐसी स्थिति देखकर आश्रम में रहने वाले बच्चे वरदराज को 'मंदबुद्धि' कहकर चिढ़ाने लगे।

(घ) 'ब्रेल लिपि' में अक्षरों और गणित के चिह्नों को कागज़ पर हलका उभार देकर छापा जाता है जिसे स्पर्श करके आसानी से अक्षर, शब्द, वाक्य आदि पढ़े जा सकते हैं।

(ङ) विद्यार्थी स्वयं करें।

4. वर्षा के बाद जब धूप निकलती है तब इंद्रधनुष दिखाई देता है। इंद्रधनुष में सात रंग होते हैं। ये रंग हैं– बैंगनी, जामुनी, नीला, हरा, पीला, नारंगी और लाल।

पीरियोडिक टेस्ट-2

(पाठ 1 से 8 तक)

समयावधि : ..... **पूर्णांक : 20**

नोट: वर्तनी तथा लेखनी पर विशेष ध्यान दीजिए–

1. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

(क) गुरु जी ने वरदराज को खाने के लिए थोड़ा सत्तू दिया था।

(ख) चलते-चलते वह एक कुएँ पर पहुँच गया।

(ग) पानी खींचने की रस्सी की रगड़ से कुएँ की जगत पर निशान पड़ गए और मिट्टी के घड़ों को रखने से ज़मीन पर गड्ढे पड़ गए। यह दृश्य वरदराज के मन में बिजली की तरह कौंध गया।

(घ) वरदराज ने विचार किया कि जब रस्सी की बार-बार रगड़ खाने से कठोर पत्थर पर निशान पड़ सकते हैं तो क्या लगातार परिश्रम करने से मैं विद्वान नहीं बन सकता।

(ङ) विश्राम।

2. निर्देशानुसार कीजिए।

(क) (i) निबौरियाँ (ii) वस्तुएँ

(ख) (i) व्यर्थ (ii) परिवर्तन

(ग) (i) वृक्ष (ii) वायु

(घ) (i) स्त्रीलिंग (ii) पुल्लिग

(ङ) (i) गीली (ii) आसान

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

(क) कुएँ की जगत पर पड़े निशान को देखकर वरदराज ने विचार किया कि जब रस्सी की बार-बार रगड़ खाने से कठोर पत्थर पर निशान पड़ सकते हैं तो क्या लगातार परिश्रम करने से मैं विद्वान नहीं बन सकता।

(ख) पेड़ गंदी हवा को प्राणवायु के रूप में बदल देते हैं।

(ग) नीम के पत्तों के कारण नीम का पेड़ सुंदर लगता है। इनको अलमारी, बक्सों या अनाज की बोरियों में रखा जाता है ताकि कीड़े न लगें।

(घ) तपस्या में लीन ऋषियों को देखकर आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलती है।

(ङ) ममी किसी आदमी या जानवर के मृत शरीर को कहते हैं।

4. विद्यार्थी स्वयं करेंगे। **उत्तर के लिए संकेत-बिंदु –** (i) दिन में दो-तीन बार पानी से धोना। (ii) धूप में चश्मा पहनना (iii) आँखों का व्यायाम करना (iv) खान-पान का ध्यान रखना (v) नेत्र विशेषज्ञ से जाँच कराना।

पीरियोडिक टेस्ट-3

(पाठ 1 से 12 तक)

समयावधि : ..... **पूर्णांक : 20**

नोट: वर्तनी तथा लेखनी पर विशेष ध्यान दीजिए–

1. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

(क) दिल्ली में कई ऐसे स्थल हैं जो 'विश्व धरोहर' के रूप में जाने जाते हैं।

(ख) राजघाट पर महात्मा गांधी की समाधि है।

(ग) दिल्ली में बच्चों की पसंद का एक स्थल है – शंकर गुड़िया संग्रहालय। इस संग्रहालय में देश-विदेश के गुड्डे और गुड़ियाँ रखी हैं।

(घ) (i) नवीन (ii) दूर

(ङ) पर्यटन

2. निर्देशानुसार कीजिए।

(क) (iii) (ख) (ii) (ग) (ii) (घ) (i) उगाना (ii) कराना

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

(क) जिस दिन पेड़ नहीं कटते उस दिन जंगल त्योहार मनाता है और अगर मन अडिग रहे तो पर्वत त्योहार मनाता है।

(ख) प्रश्न पढ़कर अनारको सोचने लगी कि प्रश्न में कौन-सी दुनिया की बात कही गई है। यह तो स्पष्ट नहीं है। प्रश्न में यह भी नहीं लिखा गया कि किताबों में लिखी और रटी बात लिखनी है।

(ग) बारिश होने से नदियों को नया जन्म मिल जाता है।

(घ) बाँस ने कहा कि मेरे यहाँ रहते कोई दूसरा शक्तिशाली कैसे हो सकता है! क्या जंगल के पेड़ों को पता नहीं कि मेरे बल पर ही ताकत का फ़ैसला होता है? जानते हो, मैं जिसके पास होता हूँ, वह अपने आप ही ताकतवर कहलाने लगता है। तभी तो लोग कहते हैं–'जिसकी लाठी उसकी भैंस।'

(ङ) शिमला हिमालय की वादियों में बसा एक खूबसूरत शहर है। इसलिए शिमला को पहाड़ों की रानी कहा जाता है।

4. विद्यार्थी स्वयं करेंगे। **उत्तर के लिए संकेत-बिंदु–** (i) प्रधानाचार्य को संबोधन तथा अभिवादन (ii) अपना परिचय, कक्षा, वर्ग (iii) निवेदन – आप क्या चाहते हो? (iv) आभार तथा धन्यवाद (v) अपना नाम तथा कक्षा

नमूना प्रश्न-पत्र

(पाठ 1 से 16 तक)

समयावधि : ..... **पूर्णांक : 50**

नोट: वर्तनी तथा लेखनी पर विशेष ध्यान दीजिए–

1. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

(क) ब्रह्मपुत्र नदी के तट पर बसा एक छोटा-सा नगर था – अभयपुरी।

(ख) विश्वासपात्र मंत्री।

(ग) शीतल हवा मंद-मंद बह रही थी।

(घ) (i) पुल्लिग (ii) स्त्रीलिंग

(ङ) (i) गरम (ii) बड़ा

2. निर्देशानुसार कीजिए।

(क) (i) नाविक (ii) शारीरिक (ख) (i) अज्ञान (ii) विशेष (ग) (i)

(घ) (i) यत्न (ii) वृक्ष (ङ) (iii) (च) (ii)

(छ) (i) स्त्रीलिंग (ii) पुल्लिग

(ज) (i) मूर्ति (ii) आवश्यकता

(झ) (i) भाववाचक संज्ञा (ii) व्यक्तिवाचक संज्ञा

(ञ) (i) बालपन (ii) कठिनाई

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

(क) वरदराज के जीवन से प्रेरणा मिलती है कि हमें कभी भी हार नहीं माननी चाहिए। हमें बार-बार प्रयत्न करते रहना चाहिए। अभ्यास ही मनुष्य को सफलता दिलाता है। जब तक हम अपने लक्ष्य को प्राप्त न कर लें तब तक कठिन परिश्रम करते रहना चाहिए। हमें छोटी-छोटी घटनाओं से सीखना चाहिए।

(ख) हिमालय पर जाकर सीखते रहने का कोई अंत नहीं है इसलिए बछेंद्री पाल ने हिमालय को एक पाठशाला कहा है।

(ग) शिवाजी के मन में मालवजी के प्रति प्रेम पैदा हो गया था। मालवजी के चले जाने के बाद भी शिवाजी उसे याद कर रहे थे इसलिए तानाजी ने मालवजी के बारे में ऐसा कहा।

(घ) राजा ने नाविक से झोंपड़ी के पास से आ रही आवाज़ों के बारे में पता लगाने के लिए कहा।

(ङ) अच्छे व्यक्ति पर कुसंगति का प्रभाव नहीं पड़ता है।

4-5 विद्यार्थी स्वयं करें।

उत्तर के लिए संकेत-बिंदु– (i) प्रिय त्योहार (ii) उमंग और प्रसन्नता का माहौल (iii) नए कपड़े खरीदना (iv) एक-दूसरे को उपहार देना (v) आपस में खुशियाँ बाँटना